रसायनिक और गैर-रसायनिक उर्वरकों का विकास करने के लिए अनुसंधान

5666. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार द्वारा देश में रसायनिक उर्वरकों और गैर-रसायनिक उर्वरकों के विस्तार और विकास हेतु अनुसंधान गतिविधियों को प्रोत्साहन देने के लिए कोई भावी योजना तैयार की गई है;

(ख) यदि हां, तो वित्त वर्ष 1994-95 के दौरान कौन-कौन से सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र के संगठन उर्वरक अनुसंधान में लगे हुए थे;

(ग) या सरकार द्वारा इन संगठनों की कार्यकुशलता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन दिए गए हैं;

(घ) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान कब-कब और क्या-क्या प्रोत्साहन दिए गए; और

(ङ) वर्ष 1991-92 से मार्च 1995 की अवधि के दौरान उर्वरक क्षेत्र में क्या-क्या नए शोध किये गए हैं?

रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एलुआर्डो फेलेरियो): (क) और (ख) निम्नलिखित सरकारी और गैर-सरकारी उर्वरक कम्पनियों के पास सुविकसित आन्तरिक अनुसंधान एवं विकास सुविधाएं हैं:—

(1) प्रोजेक्ट्स एण्ड डेवलपमेंट इंडिया लि०, सिन्दरी (बिहार)

(2) फर्टिलाइजर्स एण्ड केमिकल्स ट्रावनकोर लि०, उद्योगमण्डल (केरल)

(3) राष्ट्रीय केमिकल्स एण्ड फर्टिलाइजर्स लि०, बम्बई (महाराष्ट्र)

(4) गुजरात स्टेट फर्टिलाइजर कम्पनी लि०, बडौदा (गुजरात)

(5) साउदर्न पैट्रो केमिकल इंडस्ट्रीज कार्पोरेशन लि०, तूतीकोरिन (तमिलनाडु)

(6) गुजरात नर्वदा वैली फर्टिलाइजर कम्पनी लि०, भडौच (गुजरात) और

(7) धरमसी मोरारजी केमिकल कम्पनी लि०, अम्बरनाथ (महाराष्ट्र)।

इसके अलावा, प्रोजेक्ट्स एण्ड डेवलपमेंट इंडिया लि० (पीडीआईएल), जो इस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है, ने कृषि दक्ष फार्मूलों और उत्पाद मिश्रणों को विकसित करने के लिए अनुसंधान योजनाओं का निर्माण किया है।

(ग) और (घ) मान्यता प्राप्त अनुसंधान एवं विकास संस्था विभिन्न प्रोत्साहनों की हकदार हैं। ये निम्नलिखित हैं:—

(i) अनुसंधान एवं विकास क्रियाकलापों पर किये गये व्यय पर आयकर छूट।

(ii) आन्तरिक अनुसंधान एवं विकास के परिणामों के आधार पर निवेश पर 40% का उच्चतर मूल्यह्रास भत्ता।

(iii) उत्कृष्ट अनुसंधान एवं विकास कार्य के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार।

इसके अलावा, पी डी आई एल को गत तीन वर्षों में 4 करोड़ रु० का वार्षिक अनुसंधान एवं विकास अनुदान दिया गया है।

(ङ) उर्वरक एककों और पी डी आई एल के आन्तरिक अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालायें अनुसंधान एवं विकास कार्यों में रत हैं जिनमें निम्नलिखित क्षेत्र शामिल हैं:—

(1) नई और उन्नत प्रक्रिया प्रौद्योगिकी का विकास,

(2) उन्नत/नये केटेलिस्ट फार्मूलों का विकास,

(3) फसल के दृष्टिकोण से दक्ष उत्पाद किश्रणों का विकास,

(4) मूल्य वर्धित उत्पादों के उत्पादन के लिए अपशिष्ट पदार्थों का प्रयोग करना,

(5) प्रदूषण नियंत्रण,

(6) स्वदेशी कच्चे माल का प्रयोग,

(7) संक्षारण अध्ययन, और

(8) ऊर्जा संरक्षण।

हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कारपोरेशन और भारतीय उर्वरक निगम द्वारा उठाए गए घाटे

5667. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या **रसायन और उर्वरक** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर